उदयपुर में दिखी दुर्लभ प्रजाति की ''एनोमालूस नवाब'' तितली

उदयपुर, (कासं)। नैसर्गिक सौंदर्य से लकदक समृद्ध जैव विविधता वाले मेवाड़-वागड़ अंचल में दुर्लभ कीट-पतंगों, वन्यजीवों व वनस्पति के देखे जाने का सिलसिला जारी है। इसी श्रृंखला में रविवार को उदयपुर सैक्टर 14 में एक दुर्लभ तितली ''एनोमालूस नवाब'' देखी गई। प्रदेश के तितली

- ''एनोमालूस नवाब'' तितली का वैज्ञानिक नाम ''चरैक्स एग्रेरियस'' है और खुले पंखों में इसका आकार 9 से 10 से.मी. होता है।
- ''एनोमालूस नवाब'' तितली राजस्थान में पहली बार देखी गई है। आम तौर पर प्रदेश में कॉमन नवाब तितली ही दिखाई पड़ती है।

उदयपुर में रविवार को पहली बार दुर्लभ प्रजाति की तितली ''एनोमालूस नवाब'' देखी गई। इस तितली की सबसे बड़ी खासियत इसका आकार है, खुले पंखों में इसका आकार 9 से 10 से.मी होता है। सामान्यतः प्रदेश में दिखाई देने वाली ''कॉमन नवाब'' तितली के पंखों पर एक ही स्पॉट दिखाई देता है लेकिन ''एनोमालूस नवाब'' के पंखों पर दो स्पॉट दिखाई पड़ते हैं तथा इसी खुबी के कारण यह अन्य तितलियों से कहीं ज्यादा सुंदर दिखती है।

विशेषज्ञ मुकेश पंवार ने बताया कि, सैक्टर 14 में पर्यावरणीय विषयों की जानकार और तितलियों पर शोध कर रही नेहा मनोहर ने अपने गार्डन में इस तितली को देखा। उन्होंने बताया कि यह तितली उनके गार्डन में अंजीर के फल से रस पीती हुई देखी और उन्होंने इसका फोटो क्लिक किया।

पंवार ने बताया कि इसका वैज्ञानिक नाम ''चरैक्स एग्रेरियस'' है और खुले पंखों में इसका आकार 9 से 10 से.मी होता है। यह तितली आमतौर पर खेर के पेड़ पर अपनी लाईफ साइकिल पूरा करती है और पके फलों का रस पीना पसंद करती है। जंगल इन्हें ज्यादा पसंद है परंतु शहरी क्षेत्र में इसका दिखाई देना दुर्लभ है। उन्होंने बताया कि विश्व में पहली बार इसकी लाइफ साइकल पर सागवाड़ा में उन्होंने ही रिसर्च की थी। उन्होंने बताया कि आमतौर पर राजस्थान में इसे कॉमन नवाब ही समझा जाता रहा है, पुराने रिसर्च पेपर्स में ''एनोमालूस नवाब'' का उल्लेख नहीं मिलता है। राजस्थान में हमेशा ही ''कॉमन नवाब'' तितली दिखाई पड़ती है, ''एनोमालूस नवाब'' राजस्थान में इससे पहले कभी देखा नहीं गया है।

उन्होंने बताया कि कॉमन नवाब को बंद पंख में देखने पर पंख के ऊपरी सिरे पर एक ही स्पॉट दिखाई पड़ता है, जबकि ''एनोमालूस नवाब'' में दो स्पॉट होते हैं। इधर, देश के ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ पीटर स्मैटिक ने भी उदयपुर के शहरी क्षेत्र में 'एनोमालूस नवाब' को देखे जाने को दुर्लभ बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकांशत: वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली अनामलोउस नवाब तितली अधिक नमी वाले वन क्षेत्रों की अपेक्षा कम नमी वाले वनक्षेत्रों में ही दिखाई देती है।

डीग जिले के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बागीदोरा में 67 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा जयपुर सहित कई स्थानों पर भी अच्छी बरसात हुई।

पिछले चौबीस घंटों में सुबह साढे आठ बजे तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अलवर के कठूमर में 113 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई जबकि लक्ष्मणगढ में 68, मालाखेड़ा में 67 एवं गोविंदगढ में 62 मिलीमीटर बरसात हुई।

बारां में 73, भरतपुर जिले के रुपवास में 81 एवं उच्चैन में 71, बूंदी जिले के केशवरायपाटन में 68 एवं अभयपुरा में 65, दौसा जिले के महुवा में 65, डीग जिले के कामां में 75, झालावाड़ जिले के सुनेल में 82, करौली जिले के कालीसील में 70 एवं सुरोठ में 65, खेरथ्ल-तिजारा जिले के मंडावर में 76, कोटपुतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ में 88, नीमकाथाना जिले के फुलोद मं 67, सिरोही जिले के माउंटआबू में 71 एवं टोंक जिले के देवली में 90 मिलीमीटर बरसात हुई।

मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी राजस्थान के कई भागों में आगामी तीन दिन मानसून सक्रिय रहने तथा ज्यादातर भागों में मध्यम एवं कहीं कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में भी आगामी दो-तीन दिन में कुछ स्थानों पर मध्यम एवं कहीं कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में नौ सितंबर एवं पूर्वी राजस्थान में दस सितंबर से भारी बारिश की गतिविधियों में कमी होने की प्रबल संभावना है जबकि 13 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं पर मेघगर्जन के साथ भारी वर्षा की संभावना है।

'पाकिस्तान कश्मीर में आतंकवाद फैलाना बंद कर दे तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं'

जम्मू-कश्मीर की धरती से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया

- बनिहाल विधानसभा में पार्टी का प्रचार करने पहुंचे राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है, यह अनुच्छेद बहाल नहीं किया जाएगा।

श्रीनगर, 8 सितंबर। जम्मू-कश्मीर की धरती से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जिस दिन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाना बंद कर देगा हम उससे बातचीत करने के लिए तैयार हो जाएंगे। बनिहाल विधानसभा में पार्टी का प्रचार करने पहुंचे राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है,यह अनुच्छेद बहाल नहीं किया जाएगा।

नैशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डैमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पाकिस्तान से बातचीत का आ ान किया है। पार्टियों का नाम लिए बिना सिंह ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि हम पाकिस्तान से बात करें। मैं उनसे कहना चाहता हूं...पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना होगा। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? हम सभी यह चाहते हैं, क्योंकि मैं इस वास्तविकता को जानता हूं कि आप अपने मित्र को बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी को नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद को रोकना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देगा, तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की चपेट में आने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूं और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे अधिक मुसलमानों की जान गई।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने का आरोप लगाते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को काफी हद तक खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी कीमत पर आतंकी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। क्या आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं, मुसलमानों या ईसाइयों की जान लेना आपको स्वीकार्य है?

सिंह ने सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर में आतंक का माहौल किसने बनाया- भाजपा ने या जिन्होंने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर पर शासन किया? रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बदलाव दिख रहा है, जहां आतंकवाद में कमी आई है और सड़कें, राजमार्ग और सरकारी योजनाएं केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने कभी भी जम्मू-कश्मीर के साथ न्याय नहीं किया और हमेशा भेदभावपूर्ण नीतियों को आगे बढ़ाया।

यू.ए.ई. के क्राउन प्रिंस जायद अल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा उनका गर्मजोशी से और औपचारिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आए शेख खालिद के साथ एक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी है। वह सोमवार को मोदी से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। एक बयान में कहा गया है कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। दस सितंबर को यूएई के शाही परिवार के सदस्य एक व्यापारिक मंच में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के कारोबारी नेता भाग लेंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत और यूएई के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हाल के वर्षों में, भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी, राजनीतिक, व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में गहरी हुई है। क्राउन प्रिंस की यात्रा भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए तथा उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के लिए रास्ते खोलेगी।

उधर, यूएई ने एक बयान में कहा कि शेख खालिद वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे, ताकि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों का पता लगाया जा सके। वार्ता दोनों देशों और उनके लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए पहले से हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर आधारित होगी।

हरियाणा भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। नांगल चौधरी के पूर्व विधायक ने हरियाणा भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब के दिल्ली स्थित निवास पर पहुंचकर पार्टी का दामन थामा। उन्हें पूर्व मंत्री राम विलास शर्मा देव के आवास पर ले गए थे।

ममता बनर्जी के खिलाफ पार्टी सांसद खुलकर मुखर हुये

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने कोलकाता रेप एवं मर्डर के विरोध में रविवार को संसद से इस्तीफा देने की घोषणा की

कोलकाता, 8 सितंबर (वार्ता)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में रविवार को संसद से इस्तीफा देने की घोषणा की और कहा कि वह राजनीति भी छोड़ देंगे।

सरकार ने तृणमूल सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखे पत्र में उनसे राज्य की सुरक्षा के लिए 'कुछ' करने का आग्रह किया। उन्होंने दो पन्नों के पत्र में कहा, मैं वर्तमान परिस्थितियों में (पार्टी में) और नहीं रह सकता। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को सांसद पद छोड़ने के अपने फैसले के बारे में सूचित करने के लिए पत्र लिखा है और जल्द ही राज्यसभा के सभापति से मिलकर अपना त्यागपत्र सौंपेंगे।

पूर्व नौकरशाह ने कहा, मैंने सोचा था कि आप चल रहे आंदोलन में पुरानी ममता शैली में हस्तक्षेप करेंगी, लेकिन मैंने ऐसा नहीं देखा। उन्होंने डॉक्टर की कथित हत्या के बाद के घटनाक्रमों से निपटने के राज्य सरकार के तरीके की आलोचना की। सरकार ने दावा किया कि भ्रष्टाचार के बारे में राज्य सरकार की उदासीनता के कारण उनका मोहभंग हो गया है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार उन पर न केवल राज्यसभा बल्कि राजनीति से भी इस्तीफा देने के लिए दबाव डाल रहा है।

उनके पत्र में सुश्री बनर्जी को संबोधित करते हुए कहा गया है, आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक घटना के बाद से मैं एक महीने तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा और आपसे पुराने ममता बनर्जी के तरीके से आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों के साथ सीधे हस्तक्षेप की उम्मीद कर रहा था। ऐसा नहीं हुआ और सरकार अब जो भी दंडात्मक कदम उठा रही है, वह बहुत कम और काफी देर से उठाया गया है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

नि-क्षय मित्र बनाएं, टीबी हराएं

09 सितम्बर - 02 अक्टूबर, 2024

टीबी उन्मूलन के लिए जन-भागीदारी का अभियान

टीबी रोगियों की सहायता का संकल्प लें

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

नि-क्षय मित्र बनने के लिए

- https://communitysupport.nikshay.in पर लॉगिन करें।
- 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' पर क्लिक करें।
- Ni-kshay Mitra Registration Form पर रजिस्ट्रेशन करें।
- अपनी सुविधानुसार नि-क्षय सहायता के लिए रोगियों का चयन करें।
- टीबी रोगियों को मासिक पोषण किट देकर और जाँच व रोजगार से जुड़ी मदद करके अपना योगदान दें।

म्हारे गाँव, टीबी ना पसारे पाँव

नि-क्षय हेल्पलाइन
1800-11-6666
नि-क्षय मित्र अभियान के बारे में अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

- आपकी जान पहचान/मित्र/रिश्तेदार/पड़ोसी किसी को भी लगातार खांसी, बुखार, भूख कम लगनाए वजन कम होना एवं बलगम में खून आना आदि लक्षण हो तो तुरन्त उन्हें टीबी की जांच कराने हेतु प्रेरित करें।
- राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों पर टीबी रोग की निःशुल्क जांच एवं उपचार सुविधा उपलब्ध है।
- सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों की सहायता करें और टीबी उन्मूलन में अपना योगदान दें।
- ग्राम पंचायत/वार्ड/तहसील/जिला को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी बढ़ाएं।

- नि-क्षय मित्र बनें और टीबी रोगियों की सहायता करने का संकल्प लें।
- कोई भी सामान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, धर्मगुरू, गैर सरकारी संस्थान, राजकीय कर्मचारी, व्यावसायिक संस्थान नि-क्षय मित्र बन सकते हैं।
- टीबी रोगियों से निभाएं अपनापन।
- टीबी से उपचारित रोगी 'टीबी चैम्पियन' बन नए टीबी रोगियों को उपचार पूर्ण करने में सहयोग करें एवं प्रेरित करें।
- पौष्टिक भोजन करें और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं।

pradhan mantri टीबी मुक्त भारत अभियान

राजस्थान संवाद

mohfw.gov.in @TB Mukt Bharat-Rajasthan @NTEP Rajasthan, Unite to End TB rajswasthya.nic.in @ntep_rajasthan @Rntcp_Rajasthan नि-क्षय हेल्पलाइन 1800-11-6666

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान

NATIONAL HEALTH MISSION

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908